

49	राज्याङ्गानि प्रकृतयः पौराणां श्रेणयो ऽपि च ॥ ७१४ ॥	50
50	तत्त्वं स्वराष्ट्रचिन्ता स्या-	51
51	दावापस्त्वरिचितनम् ।	52
52	परिस्पन्दः परिकरः परिवारः परिग्रहः ॥ ७१५ ॥	53
53	परिच्छदः परिवर्हस्तत्त्वोपकरणे अपि ।	54
54	राजशय्या महाशय्या	55
55	भद्रासनं नृपासनम् ॥ ७१६ ॥	56
56	सिंहासनं तु तद्वैमं	57
57	हृत्मातपवारणम् ।	58
58	चामरं बालव्यजनं रोमगुच्छः प्रकीर्णकम् ॥ ७१७ ॥	59
59	स्थगी ताम्बूलकरङ्को	60
60	भृङ्गारः कनकालुका ।	61
61	भद्रकुम्भः पूर्णकुम्भः	62
62	पादपीठं पदासनम् ॥ ७१८ ॥	63
63	अमात्यः सचिवो मन्त्री धीशखः सामवायिकः ।	64
64	नियोगी कर्मसचिव आयुक्ता व्यापृतश्च सः ॥ ७१९ ॥	65
65	द्रष्टा तु व्यवहाराणां प्राङ्निवाको ऽक्षदर्शकः ।	66
66	महामात्राः प्रधानानि	

50. Die Sorge um das eigene Reich. — 51. Die Anstalten gegen den Feind. — 52. 53. Tross, Gefolge (8 W.). — 54. Königliches Ruhebett (2 W.). — 55. Thron (2 W.). — 56. Goldener Thron. — 57. Sonnenschirm (2 W.). — 58. Fliegenwedel (4 W.). — 59. Betel-Büchse (2 W.). — 60. Goldene Vase (2 W.). — 61. Goldene Vase mit geheiligtem Wasser (2 W.). — 62. Fussbank (2 W.). — 63. Minister (5 W.). — 64. Beamter (4 W.). — 65. Richter (2 W.). — 66. Die ersten Rätke des Königs (2 W.).